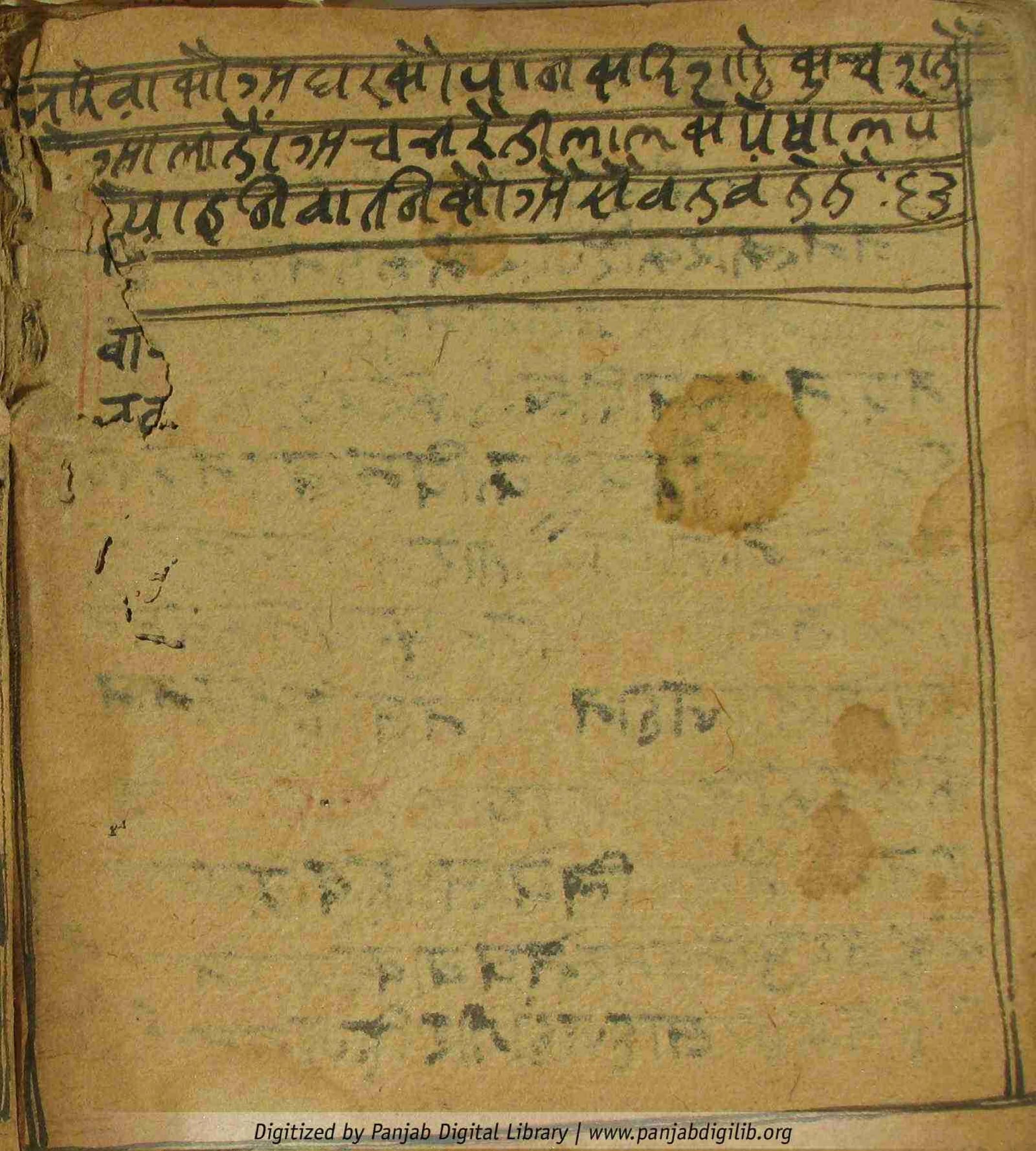
1 Me - No ? - 50529, सुन्दरसंगार । सुन्दरकार्यकरा 2. मन्त्र र 50530. नामरेन मीनी पारे नर्ष । अन्तर्यास कुर । 3 मल्ला क 50531 तिलो हाम मीकी परे हाई । अन्तरहासका J H ... - N°; → 50532 31 m2 AA wife = \$604 - 317-12 TH 5 A... N. 2. → 50533. SI ZANZ MINI 8 A--- N=2-+ 505 36. 47 372 - 17 --- 1 9.4-10537 = and 71 10 Acon: 350538 再回其下四部是 11.40-10: > 505 29: संन्य संगार। सन्य कार्यकार ।

मध्यस्य इति प्रस्ति स्टाम्स सम्बद्धः इति ना श्री गाठास जा हर स गा मिर साम हा छ गा क्षाः सुन्य अस्य ६ सह स्व अस्य इत्राह MHHAMMEN STANSHUL बान्यस्य कारिक सारित्र वा ता जा ना का का सम् वस्य स्वास्त्र सामा सामा सामा सामा जमता माना या या या स्थान त्र स्र र राष्ट्र रहा ४ शास्त्र स्र स्र स्र स्र सा ना ना का ना का ना वा का ना हा ना हा धा छ वाह्य धाः वा भारत वा ए भता गर्य धाः । भाषाकाषात्राकाषाकाषा जाना मा द्वान हा के हा निमानिया नाह प्रकारमा इसिम्पी यह प्रमुख कुम्प WIND STRUCTURED BY SELECTION OF THE SECOND STRUCTURED BY SELECTION OF THE SECOND STRUCTURED BY SECOND STRUCTURED B 成双34958:WEARING BUILDER Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

तसाम हा अस्तिका अस्ति हिता है। व: वालजवालया हार १ मिन जिस का TISE WELL SUR BURNES इस्पाक्षियक्ष्यस्थान्यस्थ वाहारमाप्रसापारना। साम्ह ग्राय हा जानामहर्य अवग इयद जमाजान्व वा अस्य कुलालका पार्वा जा । अस्पर गाम पारा । जा जा जा व्याप EULANAUS AN I SULLAMINITY OF W प्राष्ट्रायाद्याराः साठ्वसम्बस्य साम्यस्य भागायाः यश्रासाः यश्राम्य मान्य हाहारणाः जिलाकावनः १४।वगहा १४।द रसो । अधार अधार वा सामा अधार । ल एड्रज ब (पाद्ध हजा प्र प्याः स्टार र लेश जायपश्रिप्रवास्त्र सार्वसार महास्वा नाधारायहायसाः स्वयाहनाहणयथ

त्राइतितस्य इन्तिस्याम्य जनस्याद जिय प्रसाः तवता इजिन्दि । कित्वाली सामा वा जा का का का का का गताहिष्या भारता अस्या प्राथित ना-सापपाद्यक्षा इस्थि । धाजाम्य अस्तिप्रत्याः ७ ग्रां अगुर्ध्याः भर जनस्ति स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य एक लाहा है। है सार्छ ता पा लाग ने ने मिर है सार् वसाधःहस्रास्त्रहाहस्राक्षा मुनारशहजराजानमह कुमप्रस्थाः व्यान्वः १४ क्षापाजा जाता का शास्त्र भाषा ताक्षराष्ठ्रवालावुः भावासु हर उल्प नित्राह्म वार्ययाठकारमावहः भ व्यक्तं निवायायमः निवादे प्राचिति हे स्थाया लाकुडामाज माश्र सम्बद्धः सगाप्ति । धा Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org





दान में प्राप्त

दाता श्रो पं॰रामचन्द्र रामा सील्इरामपुस्तकालय पता सराय बलमद्र रेवाड़ी (गुड़गावा)